

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, होशे, सत्र 3, होशे 4

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

फ्रांसिस एस्बरी सोसाइटी (विल्मोर, केवाई) और डॉ. ओसवाल्ट को इन वीडियो को जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने और उनके प्रतिलेखन की अनुमति देने के लिए धन्यवाद।

खैर, आपके पास वापस आकर अच्छा लगा। दूर रहने का मुख्य कारण यह था कि पिछले सप्ताह मैं 1 और 2 राजाओं की पुस्तकों पर 20 घंटे के व्याख्यान रिकॉर्ड कर रहा था। फ्री मيثोडिस्ट चर्च में बाइबल अध्ययन में एक संगठन और मित्र हैं जो मुझे इसे सही करने में मदद करेंगे, BibleTraining.org। मैंने कई अलग-अलग... बाइबिल प्रशिक्षण दिए हैं! किसी को भी बुलाओ... जो भी हो।

BiblicalTraining.org. यह एक ऐसा संगठन है जो दुनिया भर में बाइबिल सेमिनरी शिक्षा को निःशुल्क उपलब्ध कराना चाहता है। और इसलिए, मैंने उनके लिए यशायाह और यह किंग्स था। तो, यह एक बढ़िया अवसर था।

चूँकि वे बहुत दयालुता से करें और मुझे वाशिंगटन ले जाने के लिए सहमत हो गए, इसलिए हमने पूछा कि क्या हम अलास्का क्रूज़ को इसके पहले भाग में रख सकते हैं और उन्होंने विनम्रतापूर्वक अनुमति दे दी। इसलिए, हमने शुरुआत में ऐसा किया और फिर पिछले हफ्ते रिकॉर्डिंग के लिए वापस आए। तो, यह कुछ छुट्टी थी, हाँ, लेकिन किसी भी तरह से पिछले हफ्ते नहीं।

हम होशे को देख रहे हैं और मैं आपको समय-सीमा की याद दिलाना चाहता हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि यह काफी महत्वपूर्ण है। अध्याय 1 में जिन राजाओं का नाम लिया गया है, उनकी तिथियों के संदर्भ में, हम कह सकते हैं कि ये भविष्यवाणियाँ लगभग 755 ईसा पूर्व और 715 ईसा पूर्व के बीच दी गई थीं। पहले 10 साल, सब कुछ बहुत बढ़िया लग रहा था।

इससे पहले उनके पास 35 साल तक यारोबाम द्वितीय का शासन था, जो एक बहुत प्रभावशाली राजा था, हालाँकि वह कोई आस्तिक नहीं था और सब कुछ बहुत बढ़िया था। इसलिए, अमोस कह सकता था, तुम्हें लगता है कि प्रभु का दिन आ रहा है, है न? यह आ रहा है, लेकिन यह वैसा नहीं है जैसा तुम सोचते हो। इसलिए, सब कुछ अद्भुत था।

और फिर 745 में, असीरिया, जो लगभग 50 वर्षों से शांत था, योना, अपने अंतिम 100 वर्षों के पैक-मैन की शुरुआत करता है, जो उसके सामने सब कुछ निगल जाता है। इस समय अवधि में, 745 से 722 तक, उत्तरी राज्य, इज़राइल में पाँच अलग-अलग राजवंश थे, एक-व्यक्ति राजवंश, इससे पहले कि किसी और ने उसकी हत्या कर दी, जिसने एक नया राजवंश शुरू किया। तो, यहाँ एक रक्तपात हुआ, और अंत में, इस समय के दौरान, असीरिया इज़राइल के अधिक से अधिक क्षेत्रों पर कब्जा कर रहा है, अंत में, जो कुछ भी वास्तव में बचा है वह सामरिया के आसपास की भूमि है, और अंत में, 722 में सामरिया गिर जाता है, और तीन-चौथाई इज़राइल निर्वासन में चला जाता है।

तो फिर सवाल यह है कि क्या होने वाला है? क्या यहूदा भी जाने वाला है? उनके जाने के कई कारण हैं, लेकिन वे नहीं जाते। और इसका उत्तर, काफी हद तक, हिजकिय्याह है। और इसी स्थिति में होशे की भविष्यवाणियाँ प्रभु की ओर से उसके पास आती हैं, और इसी स्थिति में, वह अपना वचन घोषित करता है।

हमने देखा है कि पहले तीन अध्यायों में रूपक कैसे स्थापित किया गया है। यहोवा पति है, और इस्राएल गोमेर है, वह वेश्या पत्नी जो अपने पति से ऐसे बच्चे पैदा करती है जो उसके पति के नहीं हैं। और फिर भी, अंत में, उसका पति कहता है, मैं उन बच्चों को अपना बना लूंगा।

तो, हम किताब में जो देखते हैं वह यह है कि परमेश्वर उनके प्रति अपने प्रेम की निरंतर पुष्टि करता है। चाहे उन्होंने जो भी किया हो, चाहे उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी हो, परमेश्वर लगातार कहता रहता है, मैं तुमसे प्यार करता हूँ, मैं तुम्हें जाने नहीं दूँगा, मैं तुम्हें वापस लाने का कोई रास्ता ढूँढ़ने जा रहा हूँ। तो, यहाँ बहुत सारी गंभीर बातें हैं, लेकिन साथ ही, परमेश्वर की अंतर्निहित वाचा, जैसा कि हमने पिछली बार अध्याय 3 में देखा था, परमेश्वर कहता है, मैं तुम्हें वापस खरीद लूँगा।

मैं तुम्हें रेगिस्तान में ले जाऊँगा और वहाँ तुम्हें प्रपोज करूँगा। हम आम तौर पर रेगिस्तान को प्रपोज करने के लिए अच्छी जगह नहीं मानते। प्यारे बगीचे प्रपोज करने की जगह हैं, लेकिन भगवान कहते हैं, नहीं, मैं तुम्हें रेगिस्तान में ले जाऊँगा, और वहाँ तुम्हारा कोई और प्रेमी नहीं होगा, सिर्फ मैं ही रहूँगा।

तो, हम आज रात चौथे अध्याय को देख रहे हैं, और मैं शुरूआती पृष्ठभूमि में टिप्पणी करता हूँ कि होशे की पुस्तक में हमें बहुत सी पाठ्य संबंधी कठिनाइयाँ मिली हैं। अब, मैं कहता हूँ कि बहुत सी, यह पुराने नियम की अधिकांश अन्य पुस्तकों की तुलना में सापेक्षिक रूप से कहा जाए तो है। आपको कई जगहें मिलेंगी जहाँ पाठ बिल्कुल स्पष्ट रूप से गलत है।

दिलचस्प बातों में से एक यह है कि सेप्टुआजेंट, पुराने नियम का यूनानी अनुवाद, अक्सर बेहतर व्याख्या करता है। और यहाँ पृष्ठभूमि में जो उदाहरण मैं आपको देता हूँ, वह इसका एक उदाहरण है। यूनानी अनुवाद इसे सही बताता है, जबकि हिब्रू अनुवाद इसे गलत बताता है।

अब, मैं इसके लिए संभावित स्पष्टीकरण के बारे में जल्दी से बात करूँगा। 586 में जब यरूशलेम का पतन हुआ, तब बाइबिल का निर्माण कार्य चल रहा था, और ऐसा प्रतीत होता है कि बाइबिल के ग्रंथों के तीन समूह थे। एक समूह ऐसा था जो फिलिस्तीन में ही रहा, और इसे फिलिस्तीनी कहा जाता है।

मिस्र गए ग्रंथों का एक और समूह याद है कि उन्होंने गेदल्याह को मार डाला था, वह व्यक्ति जिसे बेबीलोनियों ने प्रभारी बनाया था? उन्होंने कहा, हम्म, शायद बेबीलोनियों को हम पसंद न हों, शायद हमें कहीं और चले जाना चाहिए। चलो मिस्र चलते हैं। और एक और समूह बेबीलोन गया।

बाइबिल की अधिकांश पुस्तकें इसी परिवार से आती हैं, और मोटे तौर पर, यह इन दोनों में से किसी से भी अधिक विश्वसनीय है। यह सामरी पेंटाटेच बन जाती है, और यह सेप्टुआजेंट का

आधार बन जाती है, जो, याद रखें, ग्रीक है। जी हाँ, सेप्टुआजेंट लगभग 225 ईसा पूर्व लिखा गया था।

तो, कुल मिलाकर, ये ग्रंथ सबसे अच्छे ग्रंथ हैं, और ऐसा लगता है कि, अंत में, जब उन्होंने कैनन चुना, तो मूल रूप से यह था कि, क्या हम इन सभी को चुनने जा रहे हैं, या हम इन सभी को चुनने जा रहे हैं, या हम इन सभी को चुनने जा रहे हैं? और निर्णय इन सभी को चुनने का था। अब, फिर से, हम यह नहीं जानते, हमारे पास इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है, किसी ने कोई मिनट नहीं रखा, लेकिन सबूत यह है कि, कुल मिलाकर, ये 39 ग्रंथ इन दोनों में से किसी एक की तुलना में मूल से बेहतर संरक्षित थे, होशे और शमूएल को छोड़कर। लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने कहा, उन्होंने शायद इसे पहचाना, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने कहा, देखो, यह सब या कुछ भी नहीं है, हम चुनने और चुनने नहीं जा रहे हैं, और इसमें राजनीति भी शामिल हो सकती है, हम बेबीलोनवासी इस प्रतियोगिता को जीतने जा रहे हैं।

वैसे भी, होशे और शमूएल में, सेप्टुआजेंट पाठ बेहतर है। अब, फिर से, इन मुद्दों में कोई बहुत बड़ा धार्मिक महत्व नहीं है, लेकिन वे वहाँ हैं। तो, पृष्ठभूमि पर नज़र डालें।

राजा जेम्स हिब्रू में इसका अनुवाद करता है। कोई भी व्यक्ति झगड़ा न करे, न ही किसी दूसरे को डांटे, क्योंकि तेरे लोग वे हैं जो याजकों से झगड़ा करते हैं। यूनानी पाठ क्या कहता है? कोई भी व्यक्ति विवाद न करे, कोई भी आरोप न लगाए, क्योंकि हे याजकों, मेरा झगड़ा तुम्हारे साथ है।

और यह बात अध्याय के बाकी हिस्से और किताब के बाकी हिस्से के हिसाब से समझ में आती है। समस्या क्या है? समस्या तो बिलकुल शुरुआत में है। तो, इसके कुछ और उदाहरण भी हैं।

तो, यही है। नैन्सी? इसमें से कुछ तो था, और वह ईसाई धर्म के बाद का है। हाँ।

हाँ, यह 300, 400 ई. का दशक है। हाँ। तल्मूड और मिश्राह पुराने नियम पर यहूदी टिप्पणियाँ हैं, और वे ईसा के समय के बाद लिखे गए थे।

ठीक है। मैंने अध्याय 4 से 14 में पाठ के तीन संभावित विभाजनों का उल्लेख किया है। अध्याय 6 में आते हैं, जहाँ पश्चाताप करने का आह्वान किया गया है।

अध्याय 11 में, जहाँ परमेश्वर कहता है, मैं तुम्हें नहीं छोड़ सकता। और फिर, अंत में, अध्याय 14, जो परमेश्वर की पुनर्स्थापना का वादा है। तो, इसमें तीन भाग हैं: 4 से 6, 6 से 11 का शेष भाग, और 12 से 14।

अब, गोल्ड स्टार उन सभी के लिए जो तीन डिवीजनों के लिए मेरे द्वारा दिए गए शब्दों को याद रखते हैं। ठीक है, वैसे भी मेरा कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस कहाँ है? मैं अगले सप्ताह फिर से पूछने जा रहा हूँ। मुझे ज़ोरदार पुष्टि की उम्मीद है।

अब, मुझे यकीन नहीं है, और मैं यहाँ अपनी याददाश्त पर भरोसा कर रहा हूँ। हो सकता है कि मैंने इन दोनों को उलट दिया हो, इसलिए। मैंने ऐसा नहीं किया? ओह, अच्छा।

अच्छा, अच्छा, अच्छा। ईश्वर का ज्ञान नहीं, ईश्वर के लिए कोई संकोच नहीं, ईश्वर के प्रति कोई वफ़ादारी नहीं। अब, श्लोक 1 को देखें। इसमें क्या लिखा है? कोई? और? कोई प्रेम नहीं।

और? हाँ। ये तीन शब्द अध्याय 3 के बाद, इस पहली कविता में ही दिखाई देते हैं। वह मंच तैयार कर रहा है। समस्या क्या है? समस्या यह है कि कोई नहीं है, और याद रखें, मुझे उम्मीद है कि जब मैं मर जाऊँगा, तो आपको याद होगा।

जिस शब्द का अनुवाद आमतौर पर वफ़ादारी के रूप में किया जाता है, उसका शाब्दिक अर्थ सत्य होता है। इसलिए, हम संबंधपरक सत्य के बारे में बात कर रहे हैं। एक दूसरे के प्रति सच्चे रहना।

अपने वादों और वाचा के प्रति सच्चे रहना। और यही है वफ़ादार होना।

तो, परमेश्वर का सत्य, सबसे पहले, तथ्यात्मक नहीं है। उसका सत्य, सबसे पहले, यह है कि आप हर चीज़ के अंत तक उस पर निर्भर रह सकते हैं। वह सत्य है।

अब, इसका मतलब है कि उसकी दुनिया में, ऐसी चीज़ें हैं जो सत्य हैं। लेकिन यह सच है। खैर, परमेश्वर के साथ और इस प्रकार, एक दूसरे के साथ हमारे रिश्तों में कोई सच्चाई नहीं है।

इसमें कोई हेसेड नहीं है। याद रखें कि मैंने क्या कहा है, शायद सौ बार नहीं, शायद 99 बार। हेसेड, एक वरिष्ठ व्यक्ति का एक कनिष्ठ व्यक्ति के प्रति भावुक समर्पण, खासकर जब वह इसके लायक न हो।

मैडिसन एवेन्यू और हॉलीवुड ने हमारे साथ बहुत बुरा किया है। प्यार क्या है? प्यार आपके पेट के गड्ढे में एक नरम एहसास है। एक मंत्रमुग्ध शाम, प्यार।

कोई जीवविज्ञान नहीं। हेसेड, हेसेड, एक श्रेष्ठ व्यक्ति की एक निम्न व्यक्ति के प्रति भावुक, अमर भक्ति है, खासकर जब वह अयोग्य हो। इस सब में मेरा पसंदीदा, और मुझे यकीन है कि यह मेरे जीवन के समय के कारण है, खलिहान में बोअज़ है।

जब रूत कहती है, तुम मेरे छुड़ानेवाले रिश्तेदार हो, तुम्हें मुझसे शादी करनी होगी। और वह कहता है, हे मेरी बेटी, तुमने मेरे साथ क्या किया है कि तुमने मुझे चुना और किसी जवान को नहीं। उसने उसे श्रेष्ठ के पद पर बिठाया है।

वह उसके लिए कुछ ऐसा कर रही है जिसका वह हकदार नहीं है। और उनकी स्थिति देखिए। वह एक बूढ़ा, पुरुष, अमीर, ज़मीनी मूल निवासी है।

आप इससे ज़्यादा नहीं पा सकते। वह एक युवा, गरीब, महिला, भूमिहीन आप्रवासी है। आप इससे ज़्यादा नीचे नहीं जा सकते।

और फिर भी वह उससे कहता है, मेरी बेटी, तुमने मेरे साथ क्या किया है। तुम मेरे प्रति कितनी दयालु हो। तुमने इन अच्छे दिखने वाले जवान लड़कों में से किसी एक को चुनने के बजाय मोटे, बूढ़े, पेटू आदमी को चुना।

हेसेड क्या है। यह हेसेड है, दोस्तों। और यह, आप जानते हैं, हम दृढ़ प्रेम पढ़ते हैं।

लेकिन ओह, हमें इसे पूरा करने की ज़रूरत है। और क्योंकि हम यह नहीं पहचानते कि भगवान ने हमारे लिए ऐसा किया है, इसलिए हम उनके लिए ऐसा करने के लिए अनिच्छुक और असमर्थ हैं। प्रार्थना कहती है, जैसे तुम्हें माफ़ किया गया है, वैसे ही माफ़ करो।

यह भी हो सकता है कि हेसेड करो जैसा कि तुमने हेसेड प्राप्त किया है। इसमें कोई वफ़ादारी या दृढ़ प्रेम नहीं है, न ही परमेश्वर का ज्ञान है। परमेश्वर को जानने का क्या मतलब है? हाँ।

हाँ, हाँ, हाँ। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है। यह बिल्कुल सही है।

क्या वे ईश्वर के बारे में कुछ जानते थे? हाँ, बेशक, वे जानते थे। वे धर्मशास्त्र की किताब लिख सकते थे। लेकिन वे ईश्वर को नहीं जानते थे।

उनका उससे कोई व्यक्तिगत रिश्ता नहीं था। क्यों नहीं? उन्होंने कभी आज्ञाओं का पालन नहीं किया। वे अपनी मूर्तियों की पूजा करते थे।

वे अपने पद और अपनी पहचान की पूजा करते थे। पुजारियों ने गेंद को फेंक दिया था। उन्हें दया पसंद नहीं थी।

मैं इसे इस तरह से कहना चाहता हूँ। और मुझे लगता है कि यह हमारी कही गई लगभग सभी बातों को दर्शाता है। वे उस प्रेम के आगे समर्पण करने को तैयार नहीं थे।

आप देखिए, प्रेम के लिए समर्पण की आवश्यकता होती है। खैर, वे डर गए थे। जब परमेश्वर ने ज़ोर से शब्दों में बात की, तो वे डरकर मर गए।

और उन्होंने मूसा से कहा, तुम उससे बात करो। लेकिन अगर तुम प्रेम प्राप्त करना चाहते हो, तो तुम्हें उसके प्रति समर्पित होना होगा। तुम्हें उस व्यक्ति को तुमसे प्रेम करने देना होगा।

मैं यहाँ बहुत ज़्यादा अंतरंग होने का प्रलोभन दे रहा हूँ, इसलिए बेहतर है कि मैं वहाँ से दूर रहूँ। लेकिन ऐसा ही है। नहीं, नहीं।

हम भगवान के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेंगे। हम ऐसे भगवान चाहते हैं जिन्हें हम नियंत्रित कर सकें। आत्मसमर्पण का मतलब है कि आप नहीं जानते कि वह आपके साथ क्या करने जा रहा है।

और मेरा दोस्त साँप कहता है कि वह बुरे काम करने जा रहा है। वह तुम्हें गरीब बना देगा। वह तुम्हें भूखा बना देगा।

वह तुम्हें चोट पहुँचाने जा रहा है। नहीं, शुक्रिया। अगर ईश्वर को जानने का यही मतलब है, तो मुझे इसकी परवाह नहीं है।

तो, ये तीन विचार, कोई सत्य नहीं, कोई वफ़ादारी नहीं, कोई संकोच नहीं, लेना या देना नहीं। कोई ज्ञान नहीं, परमेश्वर और उसके चरित्र के साथ घनिष्ठ परिचय नहीं। और उसका प्रेम और उसकी विश्वसनीयता नहीं।

हम सभी इस बात की गवाही दे सकते हैं। आप परमेश्वर की विश्वसनीयता को तब तक नहीं जान सकते जब तक आप उसे यह साबित करने का मौका नहीं देते। जब तक आप उसे उस कोने में वापस नहीं ले जाते जहाँ आपको उस पर भरोसा करना था।

और वह सफल हुआ। लेकिन ऐसा तब तक नहीं होता जब तक आप उसके सामने आत्मसमर्पण नहीं कर देते।

जब तक आप उसे नियंत्रित करने के अपने शापित दृढ़ संकल्प को नहीं छोड़ देते। अब, श्लोक 2 में आगे क्या होता है? क्या यह श्लोक 1 से संबंधित है या नहीं? और यदि हाँ, तो कैसे? ठीक है, हम अपना सत्य स्वयं बनाते हैं। कारण और प्रभाव पर, यदि हम वफ़ादार नहीं हैं या प्रेम नहीं करते हैं, तो हमें शाप, झूठ, हत्या, चोरी या रक्तपात नहीं मिलता है।

हाँ। कोई सीमा नहीं। हाँ, हाँ, हाँ।

मुझे लगता है कि ये दोनों आयतें हमारी संस्कृति की निंदा करती हैं। ये सब क्यों हो रहा है? क्योंकि बाकी चीज़ें नहीं हो रही हैं। कोई रोक-टोक नहीं है।

हाँ। मैं जो चाहता हूँ, वही चाहता हूँ और तुम मेरे रास्ते में हो। हम राजमार्गों पर हमेशा ऐसा देखते हैं।

मैं तुम्हें रास्ता क्यों दे दूँ? तुम धीरे चलोगे। तो, सीधा संबंध। अगर वाकई, वाकई, मैं उस ईश्वर को जानता हूँ जो दूसरों के लिए अपनी जान देता है, तो इससे मैं तुम्हारे साथ कैसा व्यवहार करता हूँ, यह बदल जाएगा।

और अगर यह नहीं बदलता है, तो मैं ईश्वर को नहीं जानता। ये दोनों कारण और प्रभाव हैं। और यही पूरी बाइबल की प्रकृति है।

आप देखिए, प्राचीन दुनिया में धर्म यहाँ है, और नैतिकता यहाँ है। धर्म का नैतिकता से कोई लेना-देना नहीं है। अब, हम जानते हैं कि हमें किसी अजीब कारण से नैतिकता की ज़रूरत है।

जिस समाज में नैतिकता नहीं है, वह कभी नहीं टिकेगा। इसलिए, हमें नैतिकता रखनी होगी। और हम इसे जबरदस्ती से हासिल करेंगे।

तुम मेरे राज्य में झूठ नहीं बोलोगे। एक बार झूठ बोलो, और तुम अपनी जुबान खो दोगे। धर्म, अरे हाँ, यह देवताओं से जो मैं चाहता हूँ उसे पाने के बारे में है।

यह प्रार्थना के बारे में है। यह बलिदान के बारे में है। यह अनुष्ठानों के बारे में है।

लेकिन ये दोनों एक दूसरे से संबंधित नहीं हैं। यह पागल किताब कहती है कि वे सीधे तौर पर संबंधित हैं। आप अपने समाज के कानून क्यों मानते हैं? क्योंकि हर कोने पर एक पुलिसवाला है? नहीं।

क्योंकि तुम परमेश्वर से प्रेम करते हो। हे भगवान। हे भगवान।

क्या आप ऐसा समाज चाहते हैं जहाँ आपको इतने सारे पुलिसवालों की ज़रूरत न पड़े? मुझे ऐसा लगता है। ठीक है। ये दो श्लोक हैं।

और यह भगवान मेरे फोन पर कॉल कर रहे हैं। क्या कह रहे हैं? ठीक है, अब देखिए कि आपको तीसरी आयत में क्या मिला है। वह आरंभिक शब्द क्या है? इसलिए।

या क्योंकि। कारण शब्द। क्योंकि लोग ईश्वर को नहीं जानते।

यह एक नैतिक आपदा है। और क्या? हाँ। सृष्टि को नुकसान पहुँचता है।

धरती शोक मनाती है। मैदान के जानवर। आकाश के पक्षी। यहाँ तक कि समुद्र की मछलियाँ भी। ओह हाँ। हाँ।

मैंने आपको पहले भी बताया है कि बुढ़ापे में मुझे अपने पिता की याद और भी अधिक आती है। और वे ऐसी बातें कहते हैं जो मैं कभी नहीं कहता। लेकिन वे फसल चक्र के शुरुआती समर्थक थे।

आठवीं कक्षा तक की शिक्षा। लेकिन उन्होंने बहुत पढ़ा-लिखा। और उन्होंने कहा कि यह हमारी ज़मीन नहीं है।

यह भगवान की भूमि है। और हम इसे भरोसे के साथ रखते हैं। और जब आप इसे छोड़ेंगे तो बेहतर होगा कि आप इसे उससे बेहतर स्थिति में छोड़ें, जैसा आपने पाया था।

वह ईसाई है। वह ईसाई है। यह मेरी ज़मीन नहीं है कि मैं इसका अपनी मर्जी से इस्तेमाल करूँ।

मेरे लिए, यह भगवान की दी हुई भूमि है। इसकी देखभाल की जानी चाहिए।

तो मुझे लगता है कि ये तीन श्लोक बहुत शक्तिशाली हैं। नैतिक धर्मशास्त्र के बारे में शक्तिशाली कथन। और इसकी जड़ें शुरुआत में हैं।

परमेश्वर के साथ हमारे रिश्ते में। और फिर उसके निहितार्थ। तो फिर, समस्या क्या है? यह कहाँ से आया? और यहाँ श्लोक चार आता है।

कोई झगड़ा न करे, कोई दोष न लगाए, क्योंकि मेरा झगड़ा तुझ से है।

और मुझे लगता है कि मैं लोगों को यह कहते हुए देखता हूँ कि, ठीक है, यह उसकी गलती है। नहीं, नहीं, यह उसकी गलती है। नहीं, नहीं, यह उनकी गलती है।

भगवान कहते हैं कि यह पुजारी की गलती है। अरे। तुम दिन में ठोकर खाओगे क्योंकि पुजारी भी रात में तुम्हारे साथ ठोकर खाएगा।

और मैं तुम्हारी माँ को, राष्ट्र को, भूमि को नष्ट कर दूँगा।

मेरे लोग ज्ञान की कमी के कारण नष्ट हो गए हैं। क्योंकि तुमने ज्ञान को अस्वीकार कर दिया है। मैं तुम्हें मेरे लिए पुजारी बनने से अस्वीकार करता हूँ।

तुम पुजारियों को भगवान का पता नहीं है। और चूँकि तुम अपने भगवान के टोरा को भूल गए हो, इसलिए मैं भी तुम्हारे बच्चों को भूल जाऊँगा। निर्वासन से लौटने के बाद सबसे बड़ी समस्याओं में से एक पुरोहितों की वंशावली थी, जो पूरी तरह से गड़बड़ थी।

कौन पादरी बनने वाला था? और आज, बेशक, शायद आपको मिकी कोहेन याद हो। कोहेन हिब्रू में पादरी के लिए शब्द है। मिकी पादरी।

अब, याद रखिए कि पुजारियों की दो ज़िम्मेदारियाँ थीं। दो ज़िम्मेदारियाँ। उन्हें खिड़कियाँ बनना था।

जिसके ज़रिए परमेश्वर अपने लोगों पर चमक सकता था। और जिसके ज़रिए लोग परमेश्वर को देख सकते थे। इसमें दो तत्व शामिल थे।

इसमें बलिदान और शिक्षा शामिल थी। बलिदान वह साधन है जिसके द्वारा लोग बिना नाश हुए परमेश्वर की उपस्थिति में आ सकते हैं। शिक्षा वह साधन है जिसके द्वारा परमेश्वर लोगों के सामने स्वयं को और अपने चरित्र और स्वभाव को प्रदर्शित कर सकता है।

यहाँ एक समस्या है। पुजारी को मांस के कुछ टुकड़ों के लिए भुगतान कैसे मिलता है? और अगर आप उन सभी को नहीं खाते हैं, तो आप उन्हें बेच सकते हैं। इसलिए, अगर लोग ज़्यादा पाप करते हैं तो यह पुजारी के लिए फ़ायदेमंद है।

जितना ज़्यादा पाप, उतना ज़्यादा बलिदान। इससे कोई फ़ायदा नहीं होता। अब, मैं यह कहने की हिम्मत करूँगा, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो पादरी के रूप में पादरी के पद पर नहीं है, मैं यह कहने की हिम्मत करूँगा कि अनुशासन का कार्य इस शिक्षण भूमिका के सबसे करीब है।

यह एक बात है, और फिर से, मैं खुद पर कई उंगलियाँ उठाता हूँ; बात करना, सच बोलना, सच बताना एक बात है। इसे अपने अंदर समाहित करना दूसरी बात है। और यह एक कठिन काम है।

यह एक धीमा काम है। माफ़ करें? सिखाना। आप शब्द नहीं जानते।

इस तरह से सिखाना कि सीखना विद्यार्थी के सोचने के तरीके का हिस्सा बन जाए। इसे अपने अंदर रोपना। मुझे उस वर्ष रॉबर्ट कोलमैन की सेमिनरी क्लास में शामिल होने का सौभाग्य मिला था जब वे इंजीलवाद की मास्टर प्लान लिख रहे थे।

और उसने हमें यीशु की विधि सिखाई। उसने 12 लोगों को लिया और उनमें अपना जीवन डाल दिया। और उन 12 में से उसने 3 को लिया और खास तौर पर उन 3 में खुद को डाल दिया। कहानी में बताया गया है कि यीशु स्वर्ग में वापस आए और गेब्रियल से मिले, और गेब्रियल ने कहा, ओह, प्रभु यीशु, आपने दुनिया को बचाया है, है न? यीशु ने कहा, ठीक है, नहीं, अभी नहीं।

ओह, लेकिन आपने इसराइल को बचा लिया है। नहीं, वास्तव में नहीं। इसराइल का अधिकांश हिस्सा? नहीं।

इसराइल के कुछ लोग? हाँ, हाँ। कितने? मुझे लगता है कि मैं 11 गिन सकता हूँ। 11! 11।

तो, यह भूमिका, लोगों को परमेश्वर को देखने में मदद करने की यह पुरोहिती भूमिका और परमेश्वर को लोगों में खुद को उंडेलने में मदद करना। ओह, मेरी। ओह, मेरी, क्या भूमिका है।

क्या भूमिका है। श्लोक 7: जितना अधिक वे बढ़ते गए, मुझे लगता है कि वे पुजारी हैं, उतना ही उन्होंने मेरे खिलाफ पाप किया। मैं उनकी महिमा को शर्म में बदल दूँगा।

वे मेरे लोगों के पाप पर पलते हैं। वे अपने अधर्म के लिए लालची हैं। यह लोगों की तरह होगा, याजकों की तरह।

मैं उन्हें उनके तरीकों के लिए दंडित करूँगा और उनके कामों के लिए उन्हें सज़ा दूँगा। अब, हम प्रोटेस्टेंट हैं। प्रोटेस्टेंटवाद की पहचान क्या है? सभी विश्वासियों का पुरोहितत्व।

हम में से हर एक के सामने यह चुनौती है। वह खिड़की बनना जिसके माध्यम से लोग ईश्वर को देख सकें और जिसके माध्यम से ईश्वर अपना जीवन और स्वभाव उंडेल सकें। मैं किसी हाथ की मांग नहीं करूँगा।

क्या आप किसी को अनुशासित कर रहे हैं? आप कहते हैं, ठीक है, मैं प्रशिक्षित नहीं हूँ। मेरे पास कोई सेमिनरी शिक्षा नहीं है। यदि आप यीशु को जानते हैं, तो आपके पास साझा करने के लिए कुछ है।

माताओं, हे भगवान, आप शिष्य बना रही हैं जबकि वे आपको पागल बना रहे हैं। अब, मैं यहाँ किसी पर अपराधबोध थोपने के लिए नहीं आया हूँ, लेकिन मैं बस इतना कह रहा हूँ कि इस दुनिया में पुजारी होने का हमारे, आपके और मेरे लिए क्या मतलब है? और अगर दुनिया अध्याय 4, श्लोक 2 की तरह भयानक दिखती है, तो क्यों? श्लोक 10: वे खाएँगे लेकिन संतुष्ट नहीं होंगे। वे वेश्या बनेंगे, लेकिन गुणा नहीं करेंगे।

यह दिलचस्प है, है न? एक ऐसा रिश्ता जो कुछ भी पैदा नहीं करता। क्योंकि उन्होंने वेश्यावृत्ति, शराब और नई शराब को संजोने के लिए प्रभु को त्याग दिया है, जो समझ को खत्म कर देती है। दुनिया में फसल का त्यौहार नए साल का त्यौहार था।

दुनिया में दो नए साल होते हैं, और अलग-अलग संस्कृतियों ने उन्हें अलग-अलग तरीके से मनाया। एक नया साल अप्रैल में होता है, फसल की कटाई से ठीक पहले। यह जौ की फसल का समय होता है।

और वैसे, रूथ की किताब याद है? जौ की फसल। और यहूदियों के बीच फसल के समय रूथ पढ़ी जाती है। दूसरी किताब अभी, लगभग पहली अक्टूबर को है।

दरअसल, किसी ने कहा कि यह सप्ताह रोश हशनाह है। रोश हशनाह, साल का सबसे बड़ा दिन। यह दूसरा है।

और यह फसल का अंत है। आमतौर पर, अंगूर ही अंत होते हैं। तो, आपको दो मिल गए।

और दिलचस्प बात यह है कि राजाओं में संख्याओं की समस्या का एक हिस्सा। यदि आप कभी उन संख्याओं को जोड़ने की कोशिश करते हैं, तो आप अपना दिमाग खो देंगे। इसका एक कारण यह है कि दोनों राज्य अलग-अलग नए साल का उपयोग करते हैं।

तो, राजाओं की शुरुआत कब हुई? दूसरी बात, जबकि मैं इस विषय पर हूँ, और आप सोच सकते हैं कि मैं राजाओं से भरा हुआ हूँ। दूसरी बात यह है कि क्या आप राजा के आंशिक पहले वर्ष को उसका पहला वर्ष मानते हैं? या आप उसके पहले पूरे वर्ष को उसका पहला वर्ष मानते हैं? फिर से, दोनों राज्यों ने इसे अलग-अलग तरीके से किया। तो, आप इसे एक साथ रखते हैं, और जो लोग एक ही दिन शासन करना शुरू करते हैं, आप बहुत अच्छी तरह से कह सकते हैं, राजा बी राजा ए के दूसरे वर्ष में राजा बन गया। उसी दिन।

तो, वैसे भी, यह सब जो कहता है, वास्तव में, जब आप इन सभी चीजों को ध्यान में रखते हैं तो किंग्स में संख्याएं आश्चर्यजनक रूप से सटीक हैं। यह आश्चर्यजनक है। यदि आप बेहतर नहीं जानते तो आपको लगेगा कि यह ऐतिहासिक रूप से सटीक है।

ठीक है। यह, झोपड़ियों का पर्व, इस समय है। आपको एक समस्या है।

वनस्पति मर चुकी है। सर्दी आ रही है। सूरज ढल रहा है।

क्या वह वापस आएगा? क्या वनस्पति वापस आएगी? क्या वसंत आएगा? नशे में धुत हो जाओ और जितना संभव हो उतना सेक्स करो ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जीवन कायम रहे। वे खाएँगे लेकिन संतुष्ट नहीं होंगे। वे वेश्या बनेंगे लेकिन गुणा नहीं करेंगे क्योंकि उन्होंने वेश्यावृत्ति, शराब और नई शराब का आनंद लेने के लिए भगवान को त्याग दिया है, जो समझ को खत्म कर देता है।

मुझसे धर्मशास्त्र के बारे में बात मत करो। मुझसे कर्मकाण्ड के बारे में बात करो। चलो कर्मकाण्ड करते हैं क्योंकि कर्मकाण्ड काम करेंगे।

वे क्यों काम करते हैं? मुझे नहीं पता, लेकिन वे काम करते हैं। 51% समय। भगवान के चरित्र के बारे में मुझसे बात मत करो।

मुझसे उसकी आज्ञाओं के बारे में बात मत करो। मुझसे ईश्वर की बौद्धिक वास्तविकता के बारे में बात मत करो। मैं बस एक आम इंसान हूँ।

तुम मुझसे कुछ भी उम्मीद नहीं कर सकते। मेरे लोग लकड़ी के टुकड़े के बारे में पूछते हैं। उनके चलने वाले कर्मचारी उन्हें भविष्यवाणियाँ देते हैं।

यह बहुत मज़ेदार है। अब मुझे किस तरफ़ जाना चाहिए? ओह, उस तरफ़। ठीक है।

लेकिन फिर, यह नियंत्रण का भ्रम है। मैं ये चीज़ें कर सकता हूँ और भगवान से आशीर्वाद मांग सकता हूँ। और फिर, हम कहते हैं, अच्छा, 49% समय के बारे में क्या जब यह काम नहीं करता है? खैर, यह भगवान पर भरोसा करने से बेहतर है।

कौन जानता है कि यह कभी काम करेगा या नहीं? मेरा दोस्त साँप कहता है कि यह कभी नहीं होगा। वेश्यावृत्ति की भावना ने उन्हें दूर कर दिया है। उन्होंने वेश्या बनने के लिए अपने भगवान को छोड़ दिया है।

अब, मैं इस बारे में एक मिनट के लिए बात करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि हम इस बारे में बात करें। व्यावहारिक रूप से, आज, 21वीं सदी में, वेश्यावृत्ति की भावना कैसी दिखती है? यह कैसे प्रकट होती है? नहीं।

अब, आप जिस बारे में बात कर रहे हैं, मुझे लगता है कि यह हमारे सौ साल तक इस तरह जीने का अंतिम परिणाम है। कोई भी मुझे नहीं बताता कि मुझे क्या करना चाहिए। अच्छा।

और क्या? ठीक है। ठीक है। ठीक है।

विवाह के विपरीत वेश्यावृत्ति के बारे में क्या? जाहिर है, कोई सीमा नहीं, कोई प्रतिबद्धता नहीं, कोई वफ़ादारी नहीं। और क्या यह मज़ेदार नहीं है? हमने आज यह निर्णय लिया है कि सत्य जैसी कोई चीज़ नहीं है। मुझे आश्चर्य है कि यह कहाँ से आया।

और क्या? हाँ। ज़रूर। हम्म-हम्म।

हम्म-हम्म. हम्म-हम्म. कोई आभार नहीं.

मुझे यह पसंद है क्योंकि, एक विवाह संबंध जो काम कर रहा है, उसमें धन्यवाद के लिए बहुत सारे कारण हैं। अब, एक विवाह संबंध जो काम नहीं कर रहा है, मैंने उन लोगों से कहा है जिन्हें मैंने वर्षों से परामर्श दिया है कि एक अच्छा विवाह स्वर्ग है, और एक बुरा विवाह नरक है। लेकिन हाँ।

हाँ। और मैं इस पर ज़ोर देना चाहता हूँ और कहना चाहता हूँ कि मैं उस वेश्या को जानना नहीं चाहता। मैं सिर्फ़ उसका इस्तेमाल करना चाहता हूँ।

मुझे इसकी परवाह नहीं कि उसे क्या पसंद है। मुझे इसकी परवाह नहीं कि उसे क्या नापसंद है। मुझे इसकी परवाह नहीं कि उसे क्या पसंद है।

मैं बस उसका इस्तेमाल करना चाहता हूँ। हे भगवान। नहीं, भगवान, मैं तुम्हें जानना नहीं चाहता।

मैं बस आपको इस्तेमाल करना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि कई मायनों में, यह वाक्यांश, हमारे अंदर वेश्यावृत्ति की भावना है, अपने निहितार्थों के संदर्भ में बाइबल में सबसे समृद्ध वाक्यांशों में से एक है। ये उनमें से कुछ हैं।

मुझे लगता है कि अभी और भी बहुत कुछ है। लेकिन बस इतना ही। अब, भजन 78 पर वापस जाएँ।

यह वर्णन है, और हम पद 5 से शुरू कर सकते हैं। उसने याकूब में एक गवाही स्थापित की और इस्राएल में एक टोरा नियुक्त किया, जिसे उसने हमारे पूर्वजों को अपने बच्चों को सिखाने की आज्ञा दी। व्यवस्थाविवरण को याद करें। शिष्यत्व कहाँ से शुरू होता है? यह घर से शुरू होता है।

अपने बच्चों को सिखाएँ कि आनेवाली पीढ़ी उन्हें जाने, जो अभी पैदा नहीं हुए हैं, और उठकर अपने बच्चों को बताएँ, ताकि वे परमेश्वर पर आशा रखें और परमेश्वर के कामों को न भूलें, बल्कि उसकी आज्ञाओं को मानें, ताकि वे अपने पूर्वजों के समान हठी और विद्रोही पीढ़ी न बनें। अब, दो बातों पर ध्यान दें। एक ऐसी पीढ़ी जिसका हृदय स्थिर नहीं था, जिसकी आत्मा परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य नहीं थी।

भगवान क्या चाहते हैं? एक ऐसा दिल जो दृढ़ हो। उनका, पूरी तरह से। मैं कहना चाहता हूँ कि बिना किसी प्रतिद्वंद्वी और बिना किसी सीमा के।

और एक आत्मा, वह हवा जो हमारे माध्यम से बहती है, वह प्रेरणा जो हमें ले जाती है, वह सच्ची, वफादार, भरोसेमंद है। एक बात जो हमने यहाँ नहीं कही है वह यह है कि वेश्यावृत्ति की आत्मा पूरी तरह से अविश्वसनीय है। लेकिन परमेश्वर, परमेश्वर एक अलग काम कर सकता है।

भगवान एक अलग काम कर सकते हैं। और यह बहुत दिलचस्प है। मुझे लगता है कि वहाँ चार पीढ़ियाँ हैं।

अपने बच्चों को, जो अभी पैदा नहीं हुए हैं, ताकि वे अपने बच्चों को बता सकें। बिल्कुल। नहीं, नहीं।

बच्चे एक असुविधा हैं। मैं उन्हें क्यों रखूँ? वे पैसे खर्च करते हैं, और वे आपको दुखी करते हैं। वे आपका दिल तोड़ देते हैं। आपके बच्चे आपके पहले शिष्य हैं। ठीक है।

हम कैसे हैं? ओह, हम ठीक-ठाक हैं। आपकी शीट पर, अगर आप साथ चल रहे हैं, तो नंबर सात। क्या किसी को याद है कि गिलगाल के बारे में क्या महत्वपूर्ण है? ठीक है।

क्यों? हाँ, यह विजय में जनजातियों का आधार था। जेरिको पर विजय प्राप्त करने के बाद, उन्होंने गिलगाल को अपना आधार बनाया। और हर बार, गिलगाल में हार के बाद, वे वापस आए और रोए।

और भगवान ने कहा, रोना बंद करो। तुम्हें कोई समस्या है। लेकिन ऐ में जीत के बाद, वे गिलगाल वापस चले गए। हर जीत के बाद, वे वापस आते हैं और फिर से संगठित होते हैं।

तो, गिलगाल में वे सभी ऐतिहासिक यादें हैं, वाह, यहीं से परमेश्वर ने हमारे साथ शुरुआत की और हमें ज़मीन दी। बेथेल के बारे में क्या? याकूब की पहली वेदी। यहीं पर परमेश्वर की मुलाकात याकूब से हुई थी।

यहीं से याकूब के दृष्टिकोण से पूरी बात शुरू हुई। और जब वह पटरी से उतर गया और शेकेम में बस गया, तो परमेश्वर ने कहा, बेतेल वापस जाओ। और याकूब बेतेल में फिर से पटरी पर आ गया।

तो, बेथेल का जैकब से दोहरा संबंध है। अब क्या? बेथेल में अब क्या हो रहा है? सोने का बछड़ा। बैल।

तो, यशायाह इस बारे में क्या कहता है? क्षमा करें, यशायाह। होशे। होशे इस बारे में क्या कहता है? श्लोक 15।

वह क्या कहता है? वहाँ मत जाओ। क्यों नहीं? यह भ्रष्ट है। अब, आइए इस बारे में सोचें।

वे वहाँ क्यों जा रहे हैं? शायद पूजा-पाठ की भावना से। तीर्थयात्रा के लिए।

फ़ेलोशिप। इसमें क्या बात है? ग़लत चीज़ की पूजा करना। किसी जगह की पूजा करना।

यह कुछ ऐसा है जैसे भगवान कह रहे हों, इंडियन स्प्रिंग्स जाना छोड़ दो। मैं आपको बताता हूँ, कुछ लोगों को यह सुनने की ज़रूरत है क्योंकि वे भगवान की नहीं बल्कि एक जगह की पूजा कर रहे हैं।

अब इन मामलों में, निश्चित रूप से बेथेल धार्मिक रूप से भ्रष्ट हो गया है। हम गिलगाल के बारे में निश्चित रूप से नहीं जानते। लेकिन यहाँ यह है।

और इसलिए, अंत में, श्लोक 15 में, वह इसे बेथ-एवन कहता है। भगवान का घर नहीं, ग़लत का घर। लेकिन फिर, यह अनुष्ठानिक दृष्टिकोण है कि मैं, ओह यार, मैं बस... अब, मुझे माफ़ कर दो।

मुझे पहले ही माफ़ कर दो। मुझे आश्चर्य है कि क्या फरवरी में, भगवान ने किसी से कहा होगा कि विल्मोर मत जाओ। मुझे नहीं पता।

मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे आश्चर्य है। ओह, अगर मैं उस जगह तक पहुँच पाता, तो भगवान मेरे साथ कुछ करता।

क्या ईश्वर सिर्फ़ ह्यूजेस ऑडिटोरियम तक ही सीमित है? अब, ईश्वर की स्तुति करो। ईश्वर की स्तुति करो। पिछले 125 सालों में नौ बार ईश्वर ने खुद को उस जगह पर प्रकट किया है।

लेकिन अगर हम ईश्वर को एक जगह तक सीमित कर दें, तो हम मुसीबत में पड़ जाएंगे। बड़ी मुसीबत। तो, वैसे भी, मुझे अभी बाहर मत निकालो।

इसलिए वहाँ मत जाओ। यह मत सोचो कि मैं किसी ऐतिहासिक जगह में बंद हूँ। यह मत सोचो कि तुम किसी जगह का इस्तेमाल करके मुझे प्रभावित कर सकते हो।

अपने हृदय में एक मंदिर बनाओ। एक स्वच्छ, पवित्र स्थान जहाँ जीवित परमेश्वर स्वयं को तुम्हारे साथ समर्पित कर सके। जहाँ वह तुम्हें लुभा सके।

ओह माय। फिर से, यह नाजुक मामला है, लेकिन वह आपको जानना चाहता है। और वह चाहता है कि आप उसे जानें।

उस तरह की अंतरंगता में, यह हमें बदल देता है। अब हम उसका उपयोग नहीं करते, बल्कि उसे जानते हैं। अब, हम उसकी वफ़ादारी के लिए आभार से भरे हुए हैं, जो तब साबित हुआ जब हमने खुद को उस पर छोड़ दिया और कहा, भगवान, अगर तुम नहीं आए, तो मैं दुर्घटनाग्रस्त हो जाऊँगा।

और जब हम उसकी सीमाओं को स्वीकार करते हैं तो ईश्वर प्रकट होता है। और फिर, उसे जानने का एक हिस्सा, अधिकांश सीमाएँ, मैं उन युवा लोगों से कहना पसंद करता हूँ जो कह रहे हैं, ठीक है, मुझे नहीं पता कि ईश्वर की इच्छा क्या है। मैं कहता हूँ, बाइबल पढ़ें।

भगवान की 99% इच्छा पूरी तरह से स्पष्ट है। लेकिन हाँ, उन क्षणों में जब हम आश्चर्य करते हैं, भगवान कहते हैं, वहाँ मत जाओ। क्यों? वहाँ मत जाओ।

मैं वहाँ नहीं जा रहा हूँ। नहीं, तुम्हारा अधिकार सही है। भगवान मेरी मदद करें।

मैं तुम्हारा हूँ। पूरी तरह से तुम्हारा। जैसे तुमने मेरे प्रति खुद को वफ़ादार साबित किया है, वैसे ही भगवान मेरी मदद करें, मैं अपने हर रिश्ते में वफ़ादार रहूँगा, जिसकी शुरुआत तुमसे होगी।

जैसे ही तुम मुझ पर अपना हेसेड उंडेलते हो, मुझे देने के लिए हेसेड दो। एक जिद्दी बछिया की तरह, इस्राएल जिद्दी है। क्या अब प्रभु उन्हें एक विस्तृत चरागाह में एक मेमने की तरह खिला सकते हैं? यही मैं करना चाहता हूँ।

यह वही है जो मैं करना चाहता हूँ। लेकिन आप, और मैं इस के साथ समाप्त करूँगा। हिब्रू बाइबिल में कुछ रूपकों को समझने के लिए खेत पर पले-बढ़े होने से वास्तव में मदद मिलती है।

आप इस बछिया को वाकई अच्छी जगह पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह यह नहीं जानती। और आप उस पर लगाम लगाते हैं और रस्सी खींचते हैं, और उसके चारों पैर सीधे ज़मीन में चले जाते हैं, और उसकी गर्दन एक छड़ की तरह हो जाती है। इसे स्टिफ-नेक कहते हैं।

मैं तुम्हें चरागाह में भेड़ की तरह चराना चाहता हूँ, लेकिन तुम्हें नहीं। मैं वहाँ नहीं जा रहा हूँ। यह एक अच्छी जगह है, लेकिन मैं पहले कभी वहाँ नहीं गया हूँ।

मुझे नहीं पता कि मुझे वहाँ अच्छा लगेगा या नहीं। क्या तुम मुझ पर भरोसा कर सकते हो? क्या तुम मुझे इतना अच्छी तरह जानते हो कि तुम यह मान सको कि साँप जो कुछ भी कहता है, उसके बावजूद मैं तुम्हारे लिए वाकई सबसे अच्छा सोचता हूँ? यही तो भगवान चाहते हैं। वह हमें चरागाह में भेड़ों की तरह खिलाना चाहते हैं।

वह अपनी सच्ची प्रेमिका की तरह हमसे विवाह करना चाहता है।

आइए प्रार्थना करें। प्रभु यीशु, हम क्या कह सकते हैं? हम क्या कह सकते हैं? कीलों से छेदे गए हाथों वाला दूल्हा। फटे हुए बाजू वाला दूल्हा। और हम कहते हैं कि धन्यवाद नहीं। हे प्रभु, हम पर दया करो, दया करो।

हमें उन पलों के लिए माफ़ कर दो जब हम अड़ियल हो गए। जब हम तुम्हें इतना अच्छी तरह से नहीं जानते थे कि हम यह जान सकें कि तुम हर समय भरोसेमंद हो। हमें बचाओ।

मैं यह पूछने का साहस करता हूँ, प्रभु यीशु, कि इस कमरे में कोई भी ऐसा न हो जिसमें वेश्यावृत्ति की आत्मा हो। यहाँ हर किसी में विश्वासयोग्यता की आत्मा हो। धन्यवाद, यीशु।

आपके नाम में, आमीन।